संसदीय क्षेत्र कोटा में आयोजित की जा रही भव्य श्री राम कथा में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

इस धार्मिक आध्यात्मिक नगरी में मथुराधीश जी का स्थान है। आज इस स्थान पर जो हमारी आस्था का केन्द्र है, यहां पर हमारे बीच में परमपूज्य संत प्रेम भूषण जी महाराज के मुख से हम राम कथा का श्रवण करेंगे। परम पूज्य प्रेम भूषण जी ने इस देश में ही नहीं, बल्कि देश के बाहर भी राम कथा के माध्यम से आध्यात्मिक और राम की संस्कृति, राम के विचार, दर्शन, उनका आदर्श जीवन और जीवन जीने की राह बताने का काम परम पूज्य प्रेम भूषण महाराज ने किया है। प्रेम भूषण महाराज जी की राम के प्रति अटूट आस्था है। उनका सारा जीवन भगवान राम के चरणों में समर्पित है।

इसलिए उनके मुख से जो निकलता है, उनकी वाणी से जो निकलता है, वह भगवान राम के आध्यात्मिक वर्णन के साथ-साथ उनकी अटूट धार्मिक आस्था, विश्वास और प्रेम की वाणी निकलती है। इसलिए प्रेम भूषण महाराज की प्रेम की वाणी से हम सब जीवन के अंदर भगवान राम के दर्शन और भगवान राम की हम कथा सुनते हैं और देखते हैं कि किस तरीके से भगवान राम ने एक सामान्य जीवन जीया।

भगवान राम अयोध्या के राजा थे। जब वह अयोध्या के राजा थे तो बहुत सारे राजा हुआ करते थे। अगर भगवान राम गरीब, वंचित लोगों की सेवा करने का काम नहीं करते तो भगवान राम, राम नहीं होते। भगवान राम के जीवन को देखो, वह प्रभु थे तो प्रभु ने ही लीला रखी थी कि 14 वर्ष का वनवास हो। राम ने अयोध्या की जनता, जो बहुत निराश और दु:खी थी, उनकी आंखों में आंसू थे, लेकिन भगवान राम तो अंदर से प्रसन्नचित थे, क्योंकि उनको समाज के वंचित, गरीब, पीड़ित व्यक्ति के जीवन का उद्धार करना था।

और जो राक्षस प्रवृत्ति से त्रस्त थे, उनके जीवन का पुनरुद्धार करना था। इसलिए जब हम 14 वर्ष के वनवास को देखते हैं तो किस तरीके से भगवान राम ने शबरी, केवट और बहुत लोगों के जीवन को पलटा, उनको समानता, न्याय और लड़ने का साहस दिया। उन्होंने छोटी-छोटी सेना इकट्ठी करके एक बहुत बड़े राजा, जिसके पास अस्त्र थे, शस्त्र थे, आध्यात्मिक शक्ति थी, धन का वैभव भी था, लेकिन भगवान राम के पास आत्मबल और नैतिकता थी, उस आत्मबल और नैतिकता से उन्होंने रावण का वध किया। इसलिए भगवान राम के जीवन से हम सबको अपने जीवन में नैतिकता, साहस,

सत्य को लेना चाहिए और अंतिम जीत उसी की होती है। अगर भगवान ने हमें कठिनाई दी है, चुनौती दी है तो उसमें भी सही रास्ता निकलेगा।

प्रेमभूषण जी महाराज बताएंगे कि किस तरह से हर कठिनाई, चुनौती और आपदा में से ही अवसर के रास्ते निकलते हैं और कल्याण उसी में होता है जो आपदा से लड़े, संघर्ष से लड़े, चुनौतियों से लड़े और समाज के कल्याण में अपने जीवन को समर्पित कर दे।

सात दिन तक डॉ. अमिता बिरला, डॉ. अपर्णा अग्रवाल जी के सान्निध्य में इस राम कथा का श्रवण करने का हमें भी सौभाग्य मिलेगा। जिस पर प्रभु की कृपा होती है, उसी को श्रवण करने का मौका मिलता है। जिस पर प्रभु की कृपा नहीं होती, उनको राम कथा, भागवत कथा श्रवण करने का मौका मिलता ही नहीं है।

इसलिए आप पर प्रभु की कृपा है और हम सब जब सात दिन तक राम कथा सुनेंगे तो मुझे आशा है कि हमारे जीवन में नैतिकता भी आएगी, साहस भी आएगा, सत्य भी आएगा, कल्याण और परोपकार भी आएगा और हम इस देश और राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना योगदान देंगे। परम पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज इस कोटा की आध्यात्मिक नगरी में पधारे हैं।

महाराज जी के द्वारा यहां की हर गली और गांव में राम कथा और भागवत कथा और नानी बाई का मायरा होता है। यह धर्म और अध्यात्म की धरती है। इस धर्म और अध्यात्म की धरती पर आपकी राम कथा निश्चित रूप से हम सबके जीवन को परिवर्तित करने का काम करेगी, मार्गदर्शन करने का काम करेगी। मैं आपको पुन: शत्-शत् प्रणाम करता हूं कि आपने कृपा की कि आपने अमिता बिरला जी और अपर्णा जी को समय दिया, उसके कारण हम सबको यह सौभाग्य मिला। मैं पुन: महाराज जी के चरणों में शत्-शत् प्रणाम करता हूं।

———